Give Health-Share Wealth FHP™

डिस्ट्रीब्यूटर से लीडर बनने के लिए नीचे बताई बातों पर अमल करें

क्या न करें?

अगर आप एफ एच पी बिज़नेस में बड़ी सफलता पाना चाहते हैं तो ईश्वर पर विश्वास करते हुए अतः नियमित रूप से कार्य करते हुए नीचे बताई गई बातों का ध्यान रखें कि एफ एच पी बिज़नेस में हमें क्या नहीं करना चाहिए?

1. नैगेटिव न बोलें :

हमने अक्सर देखा है कि कुछ लोग बिज़नेस में अपनी बनी बनाई टीम को अपने ही कारण नैगेटिव कर देते हैं। मान लीजिये, आपको कम्पनी का कोई प्रोडॅक्ट् अच्छा नहीं लगता है या बिजनेस प्लॉन पूरी तरह से समझ नहीं आया है तो हमें यह बातें अक्सर अपने ॲप-लाइन या कम्पनी के साथ विचार-विमर्श करनी चाहिए न कि टीम के साथ। कुछ लोग अपनी यह बातें अपनी टीम के साथ विचार-विमर्श करते हैं जिससे उनका बनी बनाई टीम खराब हो जाती है।

इसलिए हमेशा याद रखिए कि कोई भी नैगेटिव बात आप के मन में आती है तो उसे अपने तथा किसी और की टीम में विचार-विमर्श न करें। नैगेटिव बातें केवल अपनी ॲप-लाइन या कम्पनी से ही विचार-विमर्श करें।

हमेशा याद रखिए कि नैगेटिव बोलने से हमें नैगेटिव परिणाम मिलते हैं और पौज़ीटिव बोलने से पौज़ीटिव परिणाम मिलते हैं।

2. "मैं यह नहीं कर सकता" जैसे शब्दों का उपयोग न करें :

मैं नहीं कर सकता जैसे शब्दों का उपयोग कभी न करें। भगवान ने हम सबको एक जैसा बनाया है। अमीरी और गरीबी हमारे कर्मों पर निर्भर करती है। याद रखिए जैसा आप बोलते हैं, वैसा हो जाता है। अगर आप अपने बारे में अपने परिवार के बारे में और अपने एफ एच पी बिज़नेस के बारे में अच्छा बोलेगें तो अच्छा ही होगा। अगर बुरा बोलेगें तो बुरा होगा। तो आज के बाद 'मैं नहीं कर सकता', 'मेरी किस्मत खराब है', मैं कम पढ़ा-लिखा हूँ', इन सब बातों को बन्द करते हुए यह कहें-"मैं कर सकता हूँ","मैं करके रहूँगा", "I Can Do It","I Will Do It"।

3. गलतियाँ मत निकालें :

अच्छे लीडर कभी दूसरों में गलतियाँ नहीं निकालते और न ही उन गलतियों में उलझते हैं। अगर कोई समस्या या परेशानी आती है तो अच्छे व महान लीडर केवल उसका हल निकालते हैं।

4. किसी को नीचा मत दिखायें :

एफ एच पी बिज़नेस में हम सब आई.बी.ओ. हैं यानि अपने बिज़नेस के खुद मालिक। इस बिज़नेस में कोई भी, ॲप-लाईन या ग्रो-लाईन किसी का भी बॉस या कर्मचारी नहीं है। इसलिए हमेशा ध्यान रखें कभी अपनी टीम में लोगों को तथा अपनी ॲप-लाईन को नीचा दिखाने की कोशिश न करें क्योंकि जो फसल हम बोयेंगे वही हमें काटने को मिलने वाली है।

5. चरित्र न गिरने दें :

एफ एच पी बिज़नेस एक पारिवारिक बिज़नेस है। इस बिज़नेस में हमारी मातायें, बहनें और बेटियाँ सभी आते हैं। इसलिए हमेशा ध्यान रखें कि किसी भी महिला के साथ अभद्र व्यवहार न करें। हमेशा महिलाओं के लिए दीदी, माता जी जैसे शब्दों का ही प्रयोग करें। अगर कोई डिस्ट्रीब्यूटर किसी महिला डिस्ट्रीब्यूटर के साथ अभद्र व्यवहार करता है तो कम्पनी उस पर अनुशासनात्मक कारवाई कर सकती है।

6. सिगरेट व शराब आदि को बिज़नेस में शामिल न करें :

एफ एच पी बिज़नेस की मीटिंग या सैमीनार में सिगरेट या शराब पीकर आना सख्त मना है। वैसे भी अपनी निज़ी ज़िन्दगी में अगर इन सब चीज़ों से दूर रहें तो यह हमारे शरीर और स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है तथा परिवार भी सुखी रहता है। इस लिए हमें इन चीज़ों से दूर रहना चाहिए।

7. उधार न करें :

एफ एच पी बिज़नेस पूरी तरह से नकद लेन-देन पर चलता है। इसमें हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि कभी भी हमें अपनी ॲप-लाईन्ज़, गो-लाईन्ज़, कम्पनी के सैन्टरज़, जोन और सुपर जोन इत्यादि से उधार का लेन-देन नहीं करना चाहिए, इससे अपनी और सभी की इज्ज़त बनी रहती है।

8. बहस न करें :

एफ एच पी कम्पनी का बिज़नेस एक नये तरीके का बिज़नेस है इसलिए हमें किसी को भी बिज़नेस समझाते हुए किसी नए व्यक्ति या किसी डिस्ट्रीब्यूटर से किसी भी प्रकार की बहस नहीं करनी चाहिए। बहस से अक्सर बातचीत बिगड़ जाती है और हम बिज़नेस करने के अवसरों से हाथ धो बैठते हैं।

9. "मैं सब जानता हूँ" न कहें :

ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। दरअसल यह पूरा जीवन ही सीखने के लिए कम होता है। हर इन्सान अपने रहते जीवन भर कुछ न कुछ सीखता रहता है। जो लोग कहते हैं "मैं सब जानता हूँ" दरअसल वे कुछ भी नहीं जानते। उनके अन्दर की ईगो और अहम ही उनसे ऐसी बातें कहलवाता है।

10. अपने नियम लागू न करें :

हम ने अक्सर देखा है कि कुछ डिस्ट्रीब्यूटर अपनी ग्रो-लाईन पर कुछ अपने नियम लागू कर देते है। हम सब को कम्पनी के सिस्टम के अनुसार ही काम करना चाहिए अतः अपने बनाए नियम लागू नहीं करने चाहिए।

11. गुस्सा न करें :

अगर आप जीवन में सफलता पाना चाहते हैं तो कभी भी गुस्सा न करें। गुस्से में अक्सर हमारी सोचने-समझनें की शक्ति नष्ट हो जाती है। गुस्से में आकर हम दूसरे लोगों को बहुत कुछ ऐसा बोल देते हैं जिसका हमें बाद में बहुत बड़ा नुकसान हो जाता है।

12. लैंग पुलिंग न करें :

एफ एच पी बिज़नेस ईमानदारी और विश्वास पर चलता है। इसमें कभी भी हमें किसी दूसरे ग्रुप के साथ छेड़-छाड़ नहीं करनी चाहिए। हमने अक्सर देखा है कि कुछ लोग दूसरों के ग्रुप में जाकर छेड़-छाड़ करते हैं और दूसरे ग्रुप के लोगों को उकसाते हैं कि तुम मेरे ग्रुप में आ जाओ। जितना समय वह दूसरों के ग्रुप को तोड़ने में लगाते हैं, अगर उतना ही समय वह अपने ग्रुप को चलाने में लगाते तो सफल हो जाते। कम्पनी के नियमों के अनुसार अगर कोई डिस्ट्रीब्यूटर किसी दूसरे स्थान पर ज्वॉईन करता है तो उसका दूसरा ज्वॉईनिंग वाला आई.डी. टर्मीनेट हो जाता है। इसलिए यह ध्यान रखना चाहिए कि आपको अपनी क्रॉस-लाईन को लाईफ-लाईन समझते हुए, एक दूसरे की मदद करते हुए और भाईचारा बढ़ाते हुए इस बिज़नेस को आगे बढ़ाना चाहिए।

13. डॉऊन-लाईन न कहें :

हमेशा ध्यान रखें जो लोग आपके ग्रुप में जुड़ते हैं, उन्हें हमें डॉऊन-लाईन नहीं कहना चाहिए। आप खुद ही सोचे कि जिस व्यक्ति के कारण हमें पैसा आता है, जिसके कारण हमारे सपने पूरे होने वाले हैं, क्या हमें उसको ''डॉऊन'' कहना चाहिए? अपने ग्रुप के लोगों को हमेशा ग्रो-लाईन कह कर ही पुकारें।

14. रोते हुए बच्चे मत बने :

हमने देखा है कि कुछ लोग अपना बिज़नेस न चलने के कारण अक्सर रोते रहते हैं अतः वह अक्सर कहते रहते हैं कि मेरी ॲप-लाईन खराब है, कम्पनी के प्रोडक्ट्स ठीक नहीं हैं या फिर कहते हैं कि मेरा भाग्य ही मेरे साथ नहीं है। आप जरा सोचिए कि क्या आप को अपने रोते हुए बच्चे अच्छे लगते हैं? नहीं न। इसलिए रोना-धोना छोड़िए और जिन्दा दिल बन कर अपने काम में जुट जाईए। भगवान् का आर्शीवाद और कम्पनी का पूरा सिस्टम आप के साथ है।

15. कभी भी मैदान न छोड़ें :

सफलता पाने के लिए हमेशा याद रखें कि जीतने वाले कभी मैदान नहीं छोड़ते हैं अतः मैदान छोड़ने वाले कभी जीता नहीं करते हैं। अगर आप जीवन में सफल होना चाहते हैं तो एक बार अपना लक्ष्य निर्धारित करने के बाद कभी भी बीच रास्ते में मैदान न छोड़ें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि सफलता केवल उन्हें मिलती है जो केवल एक को मानते हैं, एक को जानते हैं और एक के ही होकर रहते हैं।

एक बार एक बिल्डिंग में आग लग गई। उस बिल्डिंग में बाहरवीं मजिंल पर एक फ्लैट में दो दोस्त रहा करते थे। जब उन्होंने देखा कि बिल्डिंग में आग लग गई है तो वे बिल्डिंग से बाहर निकलने के लिए भागे, पर चारों ओर आग ही आग थी। अब उनके सामने सिर्फ एक ही रास्ता था कि वह बाहरवीं मज़िंल से नीचे कूद जाएँ। दोनों ने एक दूसरे की ओर देखा और निर्णय किया कि भगवान् का नाम लेकर नीचे कूद जाते हैं, भगवान् हमें बचा लेगें। ऐसा सोच कर दोनों ने छलाँग लगा दी। पर एक दोस्त बच गया और दूसरा दोस्त मर गया। मर कर जब वह भगवान् के दरबार में पहुँचा तो उसने भगवान् से शिकायत की-''भगवान् आपने मुझे बचाया नहीं'', जब कि मेरा दोस्त नीचे धरती पर ज़िन्दा है। आपने मेरे साथ पक्षपात किया है। मैंने आपका नाम लेते हुए छलाँग लगाई थी लेकिन मेरे साथ ऐसा क्यों हुआ? भगवान् ने मुस्कुराते हुए कहा-''अच्छा!'' जब तुम दोनों ने छलाँग लगाई तो तुम्हारा दोस्त ''राम-राम'' कह रहा था'' उसने कहा-''प्रभु! मैं भी तो राम-राम कह रहा था'' तो भगवान् ने कहा अच्छा! तो भगवान् राम वहाँ बैठें है उन्हीं से पूछ लो कि उन्होंने तुम्हें क्यों नहीं बचाया?

उसने भगवान् राम के पास जाकर वही सवाल पूछा कि उन्होंने उसे क्यों नहीं बचाया तो भगवान् राम बोले-''भई मैं तो तुम्हें बचाने चल दिया था लेकिन तभी तुमने ''जय माता की'' बोल कर माता जी को बुला लिया। बुलाया था या नहीं?'' युवक ने कहा-''हाँ बुलाया था''। तो भगवान राम बोले-''वे बैठी हैं माता जी, जाओ उन्हीं से पूछो''। तब वह युवक माता जी के पास पहुँचा और उनसे भी वही सवाल पूछा। माता जी ने जबाब दिया-''मैं तुम्हें बचाने के लिए चली ही थी कि तुमने ''जय बजरंग बली'' बोल कर हनुमान जी को बुला लिया। बुलाया था या नहीं?'' युवक बोला हाँ बुलाया था। माता जी बोली-''इसलिए में रूक गई। हनुमान जी गए थे तुम्हें बचाने उन्हीं से पूछो कि उन्होने तुम्हें क्यों नहीं बचाया?'' तब उसने हनुमान जी से जाकर वही सवाल पूछा तो हनुमान जी ने जवाब दिया-''मेरे बच्चे जब तक मैं तुम्हारे पास पहुँचता तब तक तुम नीचे गिर चुके थे और अब यहाँ ऊपर पहुँच चुके हो''। दोस्तो, इसका अर्थ यह कि एक दोस्त ने सिर्फ एक पर ही भरोसा किया इसलिए वह बच गया। जब कि दूसरा दोस्त कभी किसी को बुलाता तो कभी किसी को, इसी कारण वो बच नहीं पाया। इससे हमें यह शिक्षा मिलती है कि बात चाहे भगवान् को पाने की हो या जीवन अथवा बिज़नेस में सफलता पाने की, सिद्धान्त एक ही है। हम ने देखा है कि कुछ लोग अक्सर कम्पनियाँ बदलते रहते हैं। वे किसी भी कम्पनी में सफल नहीं हो पाते। दोस्तो, अगर आप एफ एच पी बिज़नेस में हैं तो आपको अपने भगवान् पर, अपने एफ एच पी बिज़नेस पर और अपने आप पर दृढ़ विश्वास होना चाहिए कि आप अपने एफ एच पी बिज़नेस में कामयाब हो रहे हैं और कामयाब होकर रहेंगे। दृढ़ निश्चय और एक जगह टिकने से ही सच्ची सफलता पाई जा सकती है।

Contact : .....(M) **Website : www.fhpindia.com**
E-mail : feedback.fhpindia@gmail.com **Customer Care : 0161-2801333, 07307772223/5**